हर घर जल
जल जीवन मिशन

जल प्रवाह 2023

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, उत्तर प्रदेश

जिस तरह ब्रह्मांड स्वयं में निहित है,
उसी प्रकार भारत गांवों में निहित है

हमारी सरकार जल सुरक्षा की परियोजनाओं के लिए पिछले 8 वर्षों से अथक प्रयास कर रही है। जल जीवन अभियान केवल एक सरकारी योजना नहीं है, बल्कि यह समुदाय द्वारा समुदाय के लिए चलाई जाने वाली योजना है। सबसे पहले आज देश के 10 करोड़ ग्रामीण परिवार पाइप से स्वच्छ पानी की सुविधा से जुड़ चुके हैं। ये **"सबका प्रयास"** का एक बेहतरीन उदाहरण है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल उत्सव में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया संबोधित, 19 Aug, 2022

श्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री

उत्तर प्रदेश

यूपी में **जल जीवन मिशन** के कार्यक्रमों व योजनाओं को मिशन मोड में संचालित किया जा रहा है। **जल जीवन मिशन** की **'हर घर जल'** योजना गुणवत्ता और समय पर पूरी हो रही है। पाइप पेजयल योजनाओं के माध्यम से जलापूर्ति **"ईज ऑफ लिविंग"** के लिये आवश्यक है। शुद्ध पेयजल से बीमारियों को भी दूर करने में मदद मिल रही है।

एक पवित्र भाव के साथ अगर हर व्यक्ति जल की एक-एक बूंद की कीमत समझने लगेगा तो आने वाले समय में जल संकट नहीं खड़ा होगा।

"जीव" और "जल" के बिना

"सृष्टि" की कल्पना नहीं की जा सकती

जल की एक-एक बूंद को संरक्षित करने में अपना योगदान दें।

श्री स्वतंत्र देव सिंह

जल शक्ति मंत्री

उत्तर प्रदेश सरकार

"यूपी में आज "हर घर जल" अभियान "जन आंदोलन" बन चुका है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में गांव, गरीब, किसानों के कल्याण के लिए जन-जन तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का सपना यूपी के मा० मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में पूरा किया जा रहा है। हर घर जल योजना को रफ्तार देने के लिए सुदृढ़ प्लानिंग, प्रभावी क्रियान्वयन, सतत निगरानी और टीम भावना के साथ तेजी से कार्य किया जा रहा है। प्रदेश सरकार तय समय सीमा के अंदर ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाने के लिये संकल्पबद्ध है।"

श्री दिनेश खटीक

राज्य मंत्री, जल शक्ति
उत्तर प्रदेश सरकार

"जल जीवन मिशन योजना गांव, गरीब, किसान और प्रत्येक ग्रामीण परिवारों को नल से जल की सौगात देने का पवित्र कार्य कर रही है।
मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन को मूर्त रूप देने के लिए और जल प्रबंधन को बेहतर करने के लिए यूपी में तीव्र गति से काम हो रहे हैं। लाखों परिवारों के जीवन में सुधार हो रहा है।"

श्री रामकेश निषाद

राज्य मंत्री

उत्तर प्रदेश सरकार

"माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन और प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में यूपी के हर ग्रामीण परिवार तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का संकल्प पूरा किया जा रहा है।

विभाग के अधिकारी और कर्मचारी टीम भावना के साथ निरंतर योजना को जमीन पर उतारने के लिए तत्पर हैं। हर व्यक्ति पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहा है, जिससे हर घर को स्वच्छ जल पहुंचाने का सपना साकार हो रहा है।"

श्री अनुराग श्रीवास्तव

प्रमुख सचिव

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के प्रभावी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के ग्रामीण परिवारों को नल से स्वच्छ जल पहुंचाने के लिए नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग संकल्पबद्ध है। विभाग की पूरी टीम ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में समर्पित भाव से युद्धस्तर पर कार्य कर रही है। राज्य सरकार जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से प्रतिदिन 40 हजार नए ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन देने का काम कर रही है। प्रधानमंत्री जी की परिकल्पना को मूर्त रूप देते हुए प्रदेश सरकार स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के साथ ही जल संचयन, जल संरक्षण पर भी तेज गति से कार्य कर रही है। प्रदेश में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, भूगर्भ जल और नदी, तालाब, कुंओं के संरक्षण के जरिए जल भंडारण को भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

डॉ. बलकार सिंह

प्रबंध निदेशक

जल निगम (ग्रामीण), उत्तर प्रदेश

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन की 'हर घर जल योजना' संकल्प से सिद्धि की ओर तेजी से अग्रसर है। उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन नित्य नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए प्रत्येक ग्रामीण परिवारों तक नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का काम कर रहा है। जल निगम (ग्रामीण) के अधिकारी और कर्मचारी ग्रामीण क्षेत्र में हर घर को स्वच्छ पेयजल आपूर्ति से जोड़ने के लिए समर्पित भाव से धरातल पर कार्यरत हैं। हम हर दिन स्वच्छ पेयजल आपूर्ति की दिशा में एक नया कदम बढ़ा रहे हैं।इस वृहद मिशन से प्रतिदिन हजारों नए परिवार जुड़ रहे हैं। इसके साथ ही सामाजिक संस्थाओं और जल प्रतिनिधियों का सहयोग भी प्राप्त हो रहा है।

श्री प्रिय रंजन कुमार

अधिशासी निदेशक

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, उत्तर प्रदेश

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन और माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के प्रभावी नेतृत्व में उन्नति को छूती हुई जल जीवन मिशन की 'हर घर नल योजना' निरंतर नए आयाम स्थापित कर रही है। एक के बाद एक नए कीर्तिमानों को गढ़ते हुए वो लक्ष्य प्राप्ति की ओर तेजी से बढ़ रही है। प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक नल से जल पहुंचाने का काम उत्तर प्रदेश में तीव्र गति से पूरा किया जा रहा है। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग योजना को पूरा करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है। अधिकारी और कर्मचारी लक्ष्य को पूरा करने में दिन-रात जुटे हैं।

हर घर जल
जल जीवन मिशन
राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन
जल जीवन मिशन, उत्तर प्रदेश

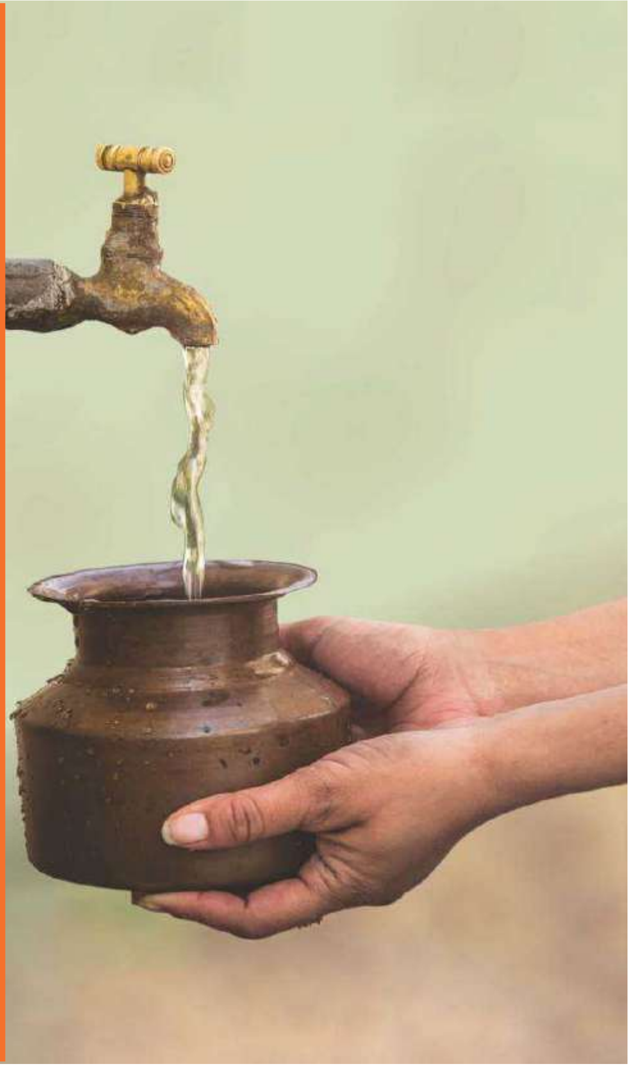

स्वच्छ जल – समृद्ध प्रदेश की ओर बढ़ता उत्तर प्रदेश

अनुराग श्रीवास्तव

प्रमुख सचिव

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश

आपो हिष्ठा मयो भुवः, स्था न ऊर्जे दधातन, महे रणाय चक्षसे,
यो वः शिवतमो रसः, तस्य भाजयतेह नः, उषतीरिव मातरः ।

हमारे शास्त्रों, वेदों, पुराणों और उपनिषदों में जल के महत्व को बताया गया है। मानव जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं में सबसे महत्वपूर्ण स्वच्छ पेयजल है। हर ग्रामीण घर तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाने के सपने को साकार करने के लिए मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 15 अगस्त 2019 को जल जीवन मिशन का शुभारंभ किया। मा. प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन पूरी गति से आगे बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश में दो करोड़ से अधिक परिवार गावों में निवास करते हैं। जल जीवन मिशन ग्रामीण परिवारों में स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का कार्य कर रहा है।

प्रदेश के 75 ज़िलों के ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के तहत प्रतिदिन औसतन लगभग 40,000 नल कनेक्शन दिए जा रहे हैं। जनवरी 2023 तक प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के 29.68 प्रतिशत परिवारों में हर घर नल से जल पहुंचाने का कार्य सफलतापूर्वक किया जा चुका है। प्रधानमंत्री जी की परिकल्पना को जमीनी स्तर पर साकार करने के लिए राज्य सरकार तेज गति से लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में काम कर रही है।

वर्तमान में प्रदेश के 77,98,759 ग्रामीण परिवार टैप वॉटर सप्लाई से जोड़े जा चुके हैं। 4,67,92,554 से अधिक ग्रामीण जनसंख्या **'हर घर जल योजना'** से लाभान्वित हो रही है। प्रदेश के 1,11,119 स्कूलों व 1,57,441 आंगनबाड़ी केन्द्रों को नल कनेक्शन की सुविधा प्रदान की गई है। मिशन के द्वारा 90 फीसद स्कूलों एवं 91 फीसदी आंगनबाड़ी केन्द्रों को टैप वॉटर सप्लाई से जोड़ा जा चुका है। 45 हज़ार से अधिक गांवों को हर घर नल से जल योजना से जोड़ने का कार्य भी त्वरित गति से किया जा रहा है। हैवी मेटल प्रभावित 270 गांवों में नल से जल पहुँचाने का अधिकांश कार्य पूरा कर लिया गया है। आर्सेनिक एवं फ्लोराइड प्रभावित 145 गांवों में पाइप पेयजल की आपूर्ति का काम भी तेज़ी से किया जा रहा है। प्रदेश के 97,568 गांवों में हर घर नल से जल पहुँचाने का कार्य जारी है। प्रदेश के 96,441 गांवों के लिए विलेज एक्शन प्लान तैयार कर लिया गया है वहीं 95,757 विलेज वॉटर एवं सेनीटेशन कमेटी गठित की जा चुकी हैं। विभाग के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश उन्नत प्रदेश के पथ पर अग्रसर है। देश में सर्वाधिक नल कनेक्शन देने वाले चार राज्यों में अपना स्थान बनाकर प्रदेश ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

स्वच्छ जल समृद्ध प्रदेश की दिशा में कार्य करते हुए जल जीवन मिशन से प्रदेश की महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रहीं हैं। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए जल के सैंपल की जांच हेतु फील्ड टेस्ट किट प्रदान की जा रही हैं। अब तक 4,80,000 से अधिक महिलाओं को पानी जांच की ट्रेनिंग दी जा चुकी है। एफटीके ट्रेन्ड महिलाएं पानी के सैंपल की जांच कर रही हैं। प्रदेश में 81 लैब्स में पानी के सैंपलों की जांच का काम किया जा रहा है। प्रतिदिन लगभग 2500 पानी के सैंपल की जांच कराई जा रही है।

प्रदेश में जल जीवन मिशन जन-जन तक पहुंच कर 'जल' आंदोलन का रूप ले रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर 75 हज़ार ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन प्रदान कर जल जीवन मिशन ने नया कीर्तिमान स्थापित किया। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मादी जी के 72वें जन्मदिवस को 'जल सेवा पखवाड़े' के रूप मनाया गया। इस अवसर पर एक दिन में सर्वाधिक 1 लाख 21 हज़ार नल कनेक्शन प्रदान किए गए। बुंदेलखंड एवं विंध्य समेत सभी 75 ज़िलों के 51 लाख ग्रामीण परिवारों ने 5 करोड़ से अधिक दीप प्रज्चलित कर जल दीपावली मनाई। भारत रत्न स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी जी की 98वीं जयंती के अवसर पर 'संकल्प अटल हर घर जल' अभियान मनाया गया।

जल जीवन मिशन ने न सिर्फ ग्रामीण क्षेत्रों में नल से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित कराई है, बल्कि होनहार एवं ज़रूरतमंद लोगों को रोज़गार भी प्रदान किए हैं। आंकड़े प्रतिदिन बढ़ रहे हैं और ज्यादा से ज्यादा लोग मिशन के द्वारा रोज़गार प्राप्त कर रहे हैं।

जल जीवन मिशन के तहत युवाओं और महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। 92,532 युवाओं को प्लंबिंग कार्य के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। 93,558 को इलैक्ट्रिशियन, 91,986 को मोटर मैकेनिक, 93,145 को फिटर, 1,37,897 को राज मिस्त्री एवं 91,926 को पंप ऑपरेटर के कार्य के लिए सफलतापूर्वक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रदेश ही नहीं अन्य प्रदेशों के भी लोग मिशन के माध्यम से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार प्राप्त कर रहे हैं।

जल जीवन मिशन संकल्प से सिद्धि की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नल से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराए जाने के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जल जीवन मिशन प्रतिबद्ध है। भूजल स्तर संवर्धन के क्षेत्र में भी विभाग की नीति एवं योजनाएं सफल साबित हो रहीं हैं। 'नदियों को साफ रखकर हम अपनी सभ्यता को ज़िंदा रख सकते हैं। यदि कोई व्यक्ति स्वच्छ नहीं है तो वह स्वस्थ भी नहीं रह सकता' राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ये शब्द ही हमारे पथ प्रदर्शक हैं। तालाबों एवं झीलों के पानी का रख-रखाव किया जा रहा है तो वहीं नालों से गिरने वाले दूषित जल को उपचारित कर पुनः प्रयोग करते हुए सिंचाई कार्य में इस्तेमाल कराया जा रहा है। जल जीवन मिशन से लगभग 6000 स्थलों पर भूजल स्तर मापन का कार्य भी कराया जा रहा है।

वर्षा जल संचयन भी विभाग की प्राथमिकताओं में सम्मिलित है। प्रदेश भर के सरकारी भवनों पर वर्षा जल संचयन के प्लांट लगाए गए हैं। **'कैच द रेन अभियान'** के अंर्तगत कई ज़िलों में शासकीय/अर्धशासकीय भवनों, अस्पतालों, पंचायत भवनों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों पर रूफ टॉप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए जाने का कार्य किया जा रहा है।

Map view of FHTCs Status (as on 01st April 2019)

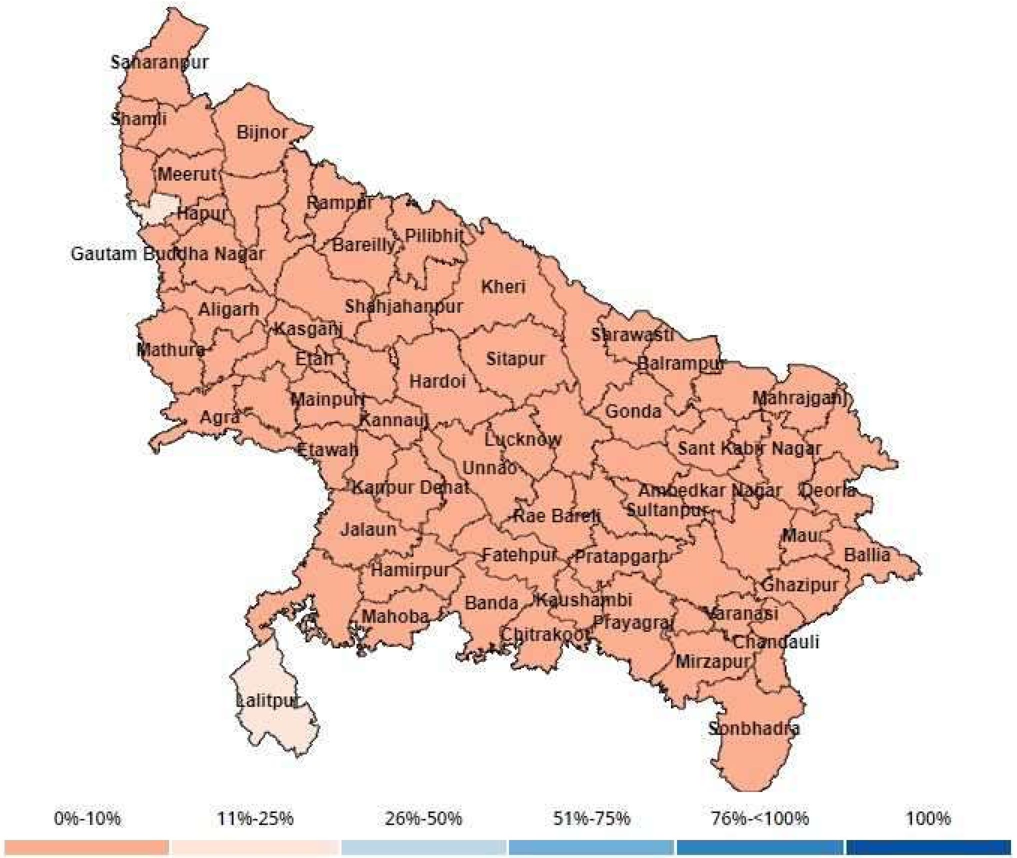

Map view of FHTCs Status (as on 31st January 2023)

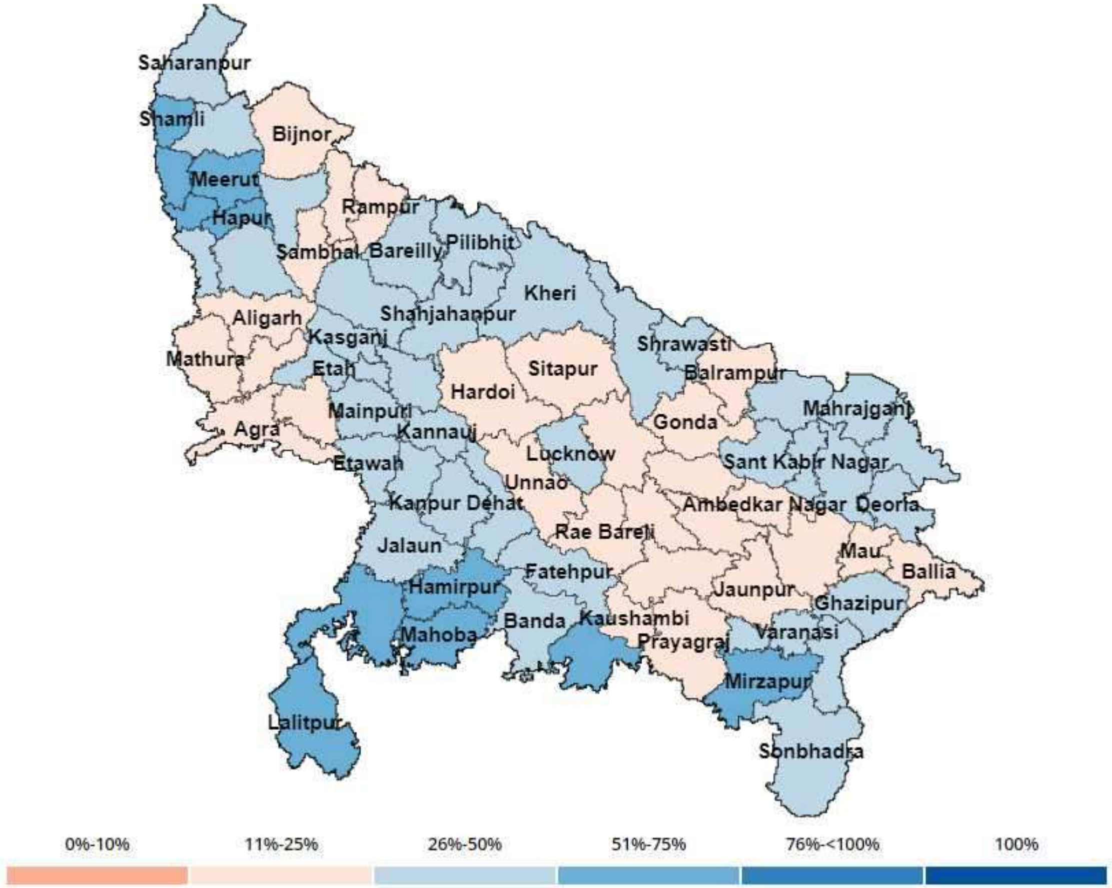

Coverage Status of FHTCs

Total numbers of Households	FHTC Before JJM (15.08.2019)	Households with Tap water connection As on 08.02.2023
26427705	516221 (1.94%)	7798759 (29.68%)

बागपत

प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का गवाह रहा बागपत जिला जल जीवन मिशन रूपी जल आंदोलन में भी भागीदारी कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर नल पहुंचाने का काम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। जनवरी, 2023 तक भूजल आधारित ट्यूबवेल योजना से यहां 1,69,394 ग्रामीण परिवारों में से 1,03,972 घरों तक नल से जल पहुंच रहा है। तेजी से लक्ष्य प्राप्ति की ओर बढ़ते बागपत में 61.38 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है। कुछ समय पहले तक जहां जिले में स्वच्छ पेयजल मिलना बड़ी समस्या हुआ करती थी वहीं हर घर जल मिलने से यहां का जन-जीवन बदल रहा है। नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अधिकारी, योजना से जुड़ी स्वयंसेवी संस्थाएं और स्थानीय निवासियों के समर्पण भाव और मिले-जुले प्रयासों से योजना यहां जन आंदोलन का रूप ले चुकी है। यही कारण भी है कि जिले ने भारत सरकार के राष्ट्रीय स्तर के सर्वेक्षण में भी अक्टूबर माह से लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज कराई हुई है। बागपत उन जिलों में भी सबसे आगे हैं जहां सबसे अधिक लगभग 70 गांव में हर घर जल पहुंच चुका है। जल संरक्षण के साथ नदियों की सफाई और वृक्षारोपण के वृहद अभियान में भी यहां काफी सराहनीय कार्य हुए हैं।

हापुड़

पवित्र गढ़मुक्तेश्वर धाम जहां की शान है, ऐसे हापुड़ जिले में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की महत्वाकांक्षी योजना का तोहफा जन-जन तक पहुंच रहा है। ग्रामीण परिवारों को नल से जल मिल रहा है। फसलों के लिये उपजाऊ भूमि वाले इस क्षेत्र में पीने के पानी के लिये कभी लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ती थी, स्वच्छ पेयजल मिलना कठिन था और बीमारी का प्रकोप यहां हमेशा बना रहता था। जिले की समस्या को समझते हुए योजना के तहत यहां ट्यूबवेल आधारित भूजल योजना की शुरुआत की गई। देखते ही देखते यहां की स्थितियों में परिवर्तन आना शुरु हुआ। स्वच्छ पेयजल की सप्लाई मिलने से घर-घर खुशियां बहने लगीं। 60.10 प्रतिशत से अधिक कार्य यहां पूरा हो चुका है। 1,54,533 परिवारों में से 92,869 को नल से जल पहुंचा दिया गया है। बाकी काम तेज गति से पूरा किया जा रहा है। 55 लीटर प्रति व्यक्ति जल की सप्लाई हर परिवार में हो रही है। यह पहला मौका है जब केन्द्र सरकार की योजना का यूपी में इतनी तीव्र गति से क्रियान्वयन किया जा रहा है और योजना का लाभ जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है।

स्वस्थ जीवन के लिए हमें स्वच्छता को संस्कार बनाना होगा – योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उ.प्र.

गाजियाबाद

उत्तर भारत का प्रमुख औद्योगिक केन्द्र और दिल्ली के पूर्व और मेरठ के दक्षिण पश्चिम में स्थित गाजियाबाद जनपद जल जीवन मिशन योजना के क्रियान्वयन में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही भारत सरकार के सर्वेक्षण की थ्री स्टार श्रेणी में पहुंचने वाला पहला जिला भी है। औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण जल की स्वच्छता हमेशा यहां एक चुनौती बनी रही है। जल जीवन मिशन योजना के आरंभ के साथ ही जैसे-जैसे जमीन पर काम उतरने लगा वैसे-वैसे बदलाव की बयार यहां बहने लगी है। भूजल आधारित ट्यूबवेल योजना से यहां अब तक 1,18,400 परिवारों में से 68,297 घरों तक नल से जल पहुंचने लगा है। योजना ने 57.68 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। तेजी से आगे बढ़ती योजना से गाजियाबाद के ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ पेयजल का तोहफा मिल रहा है। आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित व स्वस्थ भविष्य में योजना काफी कारगर साबित हो रही है।

शामली

महाभारत काल में कुरुक्षेत्र का हिस्सा रहा शामली जिला तालाब बाहुल्य क्षेत्र हुआ करता था। महान योद्धा भीम द्वारा बनाया गया यह छोटा सा उपनगर हनुमानटीला के लिए भी प्रसिद्ध रहा है। ऐसे एतिहासिक जिले में जल जीवन मिशन की योजना नया इतिहास गढ़ रही है। पश्चिम उत्तर प्रदेश के विकासशील नगरों में से एक शामली में हर घर जल का लाभ ग्रामीण परिवारों तक पहुंचाने का अभियान आंदोलन का रूप ले चुका है। भूजल आधारित ट्यूबवेल योजना से यहां हर घर तक नल से जल पहुंचाने का काम किया जा रहा है। शामली में 1,55,614 परिवारों तक पेयजल पहुंचाना है। लक्ष्य को 55.63 प्रतिशत पूरा करते हुए अभी तक यहां 86,569 घरों तक नल से जल पहुंच गया है। शामली की बदलती तस्वीर, ग्रामीण अंचलों का विकास और हर घर तक नल से जल विकास की परिभाषा बन गया है।

हर गाँव हो सक्षम, आत्मनिर्भर और हो चारों ओर विकास, यही है ग्राम स्वराज - महात्मा गांधी

मेरठ

भारतीय सेना की छावनी और पश्चिम के बड़े नगरों में से एक मेरठ में जल जीवन मिशन की योजना वरदान साबित हो रही है। यहां के ग्रामीण क्षेत्रों तक नल से जल पहुंचाने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। इतना विशाल नगर होने के बाद भी यहां के ग्रामीण इलाकों में स्वच्छ जल मिल पाना बड़ी समस्या हुआ करती थी। घना इलाका और बड़ी आबादी तक नल से जल पहुंचाने के लिए शुरू हुई हर घर नल योजना ने यहां के जनजीवन को सुधारने में बड़ी भूमिका निभाई है। भूजल आधारित ट्यूबवेल योजना से यहां अब तक 3,11,050 में से 1,66,705 घरों तक नल से जल पहुंचा दिया गया है। योजना का 53.59 प्रतिशत कार्य पूरा करते हुए लक्ष्य प्राप्ति की ओर योजना तेजी से आगे बढ़ रही है।

शाहजहांपुर

शहीदों की नगरी के नाम से मशहूर शाहजहांपुर जिले में जल जीवन मिशन की योजना काफी तेजी से आगे बढ़ रही है। यहां के एक नहीं कई गांवों में पूरी तरह से नल से जल मिल रहा है। बात उपलब्धि की करें तो भारत सरकार के सर्वेक्षण में ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर नल कनेक्शन देने में भी शाहजहांपुर देश में टॉप पर रह चुका है। नल से जल मिलने की खुशी बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में दिखाई दे रही है। एक समय जहां पानी की कमी और दूषित जलापूर्ति यहां बड़ी समस्या थी वहीं अब यहां स्वच्छ पेयजल की सप्लाई हो रही है। करीब 1,57,586 परिवारों को योजना का लाभ मिला है।

बरेली

रामगंगा नदी के तट पर बसा बरेली शहर प्राचीन रुहेलखंड का राजधानी मुख्यालय रहा है। ऐतिहासिक महत्व के साथ नाथ सम्प्रदाय के प्राचीन मंदिरों से आच्छादित होने के कारण इसे नाथ नगरी भी कहा जाता है। इसी शहर में विश्व प्रसिद्ध दरगाह आला हजरत स्थापित है। ऐसे बरेली शहर में जल जीवन मिशन की हर घर नल योजना का काम तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। बरेली मंडल को प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त करने का गौरव भी प्राप्त हुआ है। बरेली में 1,72,182 घरों में नल कनेक्शन दे दिया गया है। मंडल की सर्वाधिक जल प्रदूषित ग्राम पंचायतों में मिशन के तहत शानदार कार्य किया जा रहा है।

देवरिया

गोरखपुर से करीब 50 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित देवरिया के पास कुशीनगर स्थित है जो महात्मा बुद्ध की निर्वाण स्थली के रूप में प्रसिद्ध है। जिले में पीने के पानी का संकट और यहां हर साल होने वाली बीमारियों का प्रकोप जगजाहिर था। ऐसे देवरिया जिले में जैसे ही जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना शुरु हुई तो लोगों को यकीन नहीं हुआ कि इसका कोई असर होगा लेकिन जैसे-जैसे काम आगे बढ़ा और ग्रामीण अंचलों में जन-जन तक नल से जल पहुंचा तो स्थितियों में परिवर्तन दिखाई दिया और बीमारियों के खात्मे के साथ लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने लगा।

2,08,820 घरों तक योजना का लाभ पहुंच चुका है एवं बाकी बचे परिवारों तक जल पहुंचाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये प्रयास तेजी से किये जा रहे हैं।

बुंदेलखंड : वॉटर लाइन से लाइफलाइन

वर्ष 2019 से पहले बुंदेलखंड की चर्चा पीने के पानी के संघर्ष के साथ शुरु होती थी। ललितपुर, झांसी, महोबा, हमीरपुर, बांदा, चित्रकूट और जालौन ऐसे जिले थे जहां की महिलाएं सुबह से ही पीने का पानी भरने के लिए नदियों, तालाबों, नलकूप और कूंओं तक का मीलों सफर तय करती थीं। बच्चों की पढ़ाई में भी पीने के पानी की व्यवस्था करना बड़ी बाधा थी। गर्मी में तो संकट और भी गहरा जाता था। सुबह 4 बजे से शुरु होने वाला ये सिलसिला देर शाम तक बदस्तूर जारी रहता था, लेकिन पीने के पानी की इस जद्दोजहद के बीच उम्मीद की किरण उनके जीवन में खुशियों का संदेश लेकर आई। हर घर जल योजना बुंदेलखंड की नई कहानी बन गई। मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन ने वर्षों से बूंद-बूंद पानी को तड़पने वाले बुंदेलखंड की तस्वीर बदलने का काम किया। आज यहां हर घर में शुद्ध पेयजल का सपना पूरा हो रहा है। हर घर नल, हर घर जल के संकल्प के साथ प्रदेश के 2.64 लाख घरों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराया जाना है।

सरकार के प्रयासों से विभाग की ओर से जनवरी 2023 तक झांसी में 1,48,965 घरों तक पानी कनेक्शन पहुंचा दिये गये हैं। ललितपुर में 1,33,333, जालौन में 1,07,335, हमीरपुर में 1,00,041, बांदा में 1,18,434, चित्रकूट में 86,391 और महोबा में 94,939 घरों तक पानी के कनेक्शन दे दिये गये हैं।

महोबा

आल्हा-ऊदल की धरती महोबा में जल जीवन मिशन की योजना वरदान साबित हो रही है। योगी सरकार ने यहाँ घर-घर नल से जल सप्लाई शुरू कराई है। वर्षों से पानी का संकट झेल रहे महोबा में जल जीवन मिशन की योजना नए आयाम स्थापित करने जा रही है। शिवहर और लहचुरा के साथ जल जीवन मिशन की कई योजनाएं पूरी होने जा रही हैं। महोबा में चरखारी विकासखंड के शिवहर गांव में ग्राम समूह पेयजल योजना बन कर तैयार हो चुकी है। योजना से 69 गांवों के 27,492 परिवारों को शुद्ध पेयजल मिलने लगेगा। योजना से कुल 5,69,634 जनता लाभान्वित होगी।

5 इंटेकवेल और 5 वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट यहां जन-जन तक स्वच्छ पेजयल की सप्लाई में सहायक बनने जा रहे हैं। बुंदेलखंड और खासतौर पर महोबा में पानी के लिए लोगों को दूर-दराज दौड़ लगानी पड़ती थी। जल जीवन मिशन की योजना शुरु होने के बाद लोगों को घरों तक नल कनेक्शन मिले हैं। घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचने से महिलाओं को राहत मिल रही है। वो घर का कामकाज करने के साथ बच्चों की पढ़ाई में भी समय दे पा रही हैं। महोबा के गांव-गांव में योजना से लाभान्वित लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं है। महोबा में शिवहर ग्राम समूह पेयजल योजना का काम लगभग पूरा हो चुका है।

स्कूलों में स्वच्छता उच्च महत्व का विषय है – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

ललितपुर

बुंदेल राजपूतों द्वारा स्थापित और देवगढ़ ऐतिहासिक स्थल के रूप में जिस ललितपुर में पीने के पानी की समस्या हुआ करती थी। महिलाएं मीलों दूर से पानी भर कर लाया करती थीं। गर्मियों के आते ही नलों का सूख जाना आम हुआ करता था। ऐसे ललितपुर में जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। बुंदेलखंड क्षेत्र में होने के कारण यहां लक्ष्य को समय से पूर्व पूरा कराने में सम्पूर्ण अमला जुटा हुआ है। गांव-गांव पानी की पाइप लाइनों को बिछाने के साथ यहां पीने के स्वच्छ पानी की सप्लाई के लिए 16 इंटेकवेल और 16 वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जा रहे हैं। सरकार की प्राथमिकता वाले जिलों में शामिल ललितपुर में 2,04,808 परिवारों तक पेयजल पहुंचाना है। लक्ष्य को 65.9 प्रतिशत पूरा करते हुए अभी तक यहां 1,33,333 घरों तक नल से जल पहुंच गया है। गांव-गांव में स्वच्छ पेयजल पहुंचने से खुशियां लौटी हैं। महिलाओं को राहत मिली है और उन्हें परिवार को संजोने और संवारने का भी समय मिल रहा है।

लाल रेत की भूमि कहे जाने वाले बुंदेलखंड के हमीरपुर जिले के हर घर तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य शीघ्र ही प्राप्त होने वाला है। जिले में जहां नदियों व बांधों से पाइप पेयजल की पूर्ति की जा रही है वहीं 125 गांव में भूजल आधारित ट्यूबवेल स्कीम का कार्य पूरा किया जा रहा है। जल जीवन मिशन की पत्योरा डांडा ग्राम समूह पेयजल योजना का 77 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है। योजना के तहत 1,87,946 हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन दिये जाने हैं। 53.23 प्रतिशत कार्य पूरा करते हुए 1,00,041 परिवारों तक स्वच्छ पेयजल की सप्लाई की जा रही है। खास बात यह है कि यहां पत्योरा डांडा ग्राम समूह पेयजल योजना से विकासखंड सुमेरपुर एवं मौदहा के 148 राजस्व गांव लाभान्वित होंगे। योजना के तहत 2 सीडब्ल्यूआर और 7 ओएचटी एवं डब्ल्यूटीपी का सिविल कार्य पूरा हो चुका है। सीडब्ल्यूआर एवं ओएचटी का शेष बचा कार्य किया जा रहा है। कार्यदायी संस्था ने गांवों में ट्रायल एवं टेस्टिंग की कार्यवाही भी शुरु करा दी है।

हमीरपुर

चित्रकूट

भगवान राम की तपोस्थली चित्रकूट में जल जीवन मिशन की परियोजनाओं का 56.01 प्रतिशत कार्य पूरा होने जा रहा है। बुंदेलखंड में अपनी अलग पहचान लिये चित्रकूट जिले के गांवों में पीने का पानी मिलना कभी बड़ी समस्या हुआ करती थी। महिलाएं हों या पुरुष सभी का जीवन परिवार के लिये जल खोजने और फिर ढोकर घर तक लाने में बीत जाता था। जल जीवन मिशन की योजना के मूर्त रुप लेने के बाद से यहां पर दिखाई दिये बदलावों की कल्पना नहीं की जा सकती थी। हर घर तक पाइप लाइन और टैप कनेक्शन और फिर नल से जल मिलने तक का ग्रामवासियों का सपना साकार हुआ है। उनकी खुशियों का ठिकाना ही नहीं है। आज वो स्वच्छ पेयजल मिलने से खुशी से झूम रहे हैं। तीन इंटेकवेल और तीन डब्ल्यूटीपी बनने के साथ ही यहां 1,54,237 परिवारों तक पेयजल पहुंचाया जाना है। तेजी से कार्य करते हुए 86,391 घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंच चुका है। सिलौटा और चांदीबांगर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट और रैपुरा ग्राम समूह पेयजल परियोजना लक्ष्य प्राप्ति की ओर से बढ़ रही है।

झाँसी

जालौन, हमीरपुर, महोबा और दक्षिण में टीकमगढ़ और ललितपुर जिले से घिरा हुआ है झाँसी। जिले में कभी लोगों के लिये पीने का पानी बड़ी समस्या थी। चट्टानी क्षेत्र होने के कारण पीने का पानी मिलने में होने वाली जद्दोजहद से लोग परेशान हो चुके थे। जल जीवन मिशन की हर घर नल योजना के संचालित होने के बाद यहां की तस्वीर ही बदल गई। अब यहां हर घर जल पहुंचने लगा है। चट्टानों को तोड़कर पानी की पाइप लाइनों को बिछाने के साथ जल स्त्रोत खड़े हो रहे हैं। 1,48,965 घरों तक नल से जल पहुंच रहा है।

विंध्य का विकास

सोनभद्र

उत्तर प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा जिला, जहां सोन नदी पश्चिम से पूर्व की ओर बहती है। पठारी क्षेत्र होने के साथ ऋषि कण्व की तपोस्थली के रूप में जाना जाने वाला सोनभद्र जिला विंध्य क्षेत्र का हिस्सा है। इस जिले में पीने के पानी का संकट काफी समय से रहा है। ऐसे में इस जिले में जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना का लाभ देने का काम तेजी से किया गया जिससे यहां बदलाव आ सके। योजना को मूर्त रुप देने में पूरा अमला जुटा जिसका असर भी हुआ जो आज यहां पीने के पानी की समस्या नहीं रही। 1,09,922 परिवारों तक नल से जल पहुंचने लगा है। योजना का 37.67 प्रतिशत काम यहां पूरा होने जा रहा है। जबकि यहां पानी के संसाधनों को विकसित करना कठिन कार्य था इसके बावजूद मजबूत इरादों के साथ नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अधिकारी पूरी ताकत से जुटे हैं।

अपनी प्राकृतिक सुंदरता और विंध्याचल धाम के लिए मशहूर मिर्जापुर में जल जीवन मिशन योजना से हर घर जल पहुंच रहा है। जल जीवन मिशन के तहत प्रस्तावित कार्यों के क्रियान्वयन में मिर्जापुर उच्च स्थान पर है। योजना से 3,45,648 परिवारों को हर घर नल से परिपूर्ण किया जाना है। अभी तक 2,22,592 घरों तक पेयजल पहुंचा दिया गया है। योजना का 64.4 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है। प्रतिदिन दो हजार नल कनेक्शन दिये जाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा मिर्जापुर जिला योजना को तेज गति से पूरा कर रहा है। पथरीली भूमि पर पीने का स्वच्छ पानी पहुंचाने के लिये विभाग की ओर से यहां 9 इंटेकवेल और 9 वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जा रहे हैं। परियोजना के तहत जिले में 9,591 किमी लंबी जलापूर्ति की पाइप लाइन बिछाने का लक्ष्य है। इसमें से अब तक 8,813 किमी लंबी पाइप लाइन बिछाई जा चुकी है। योजना के तहत 307 ओवरहेड टैंक के माध्यम से जलापूर्ति की व्यवस्था की जानी है। प्रस्तावित ओवरहेड टैंक का काम भी अंतिम चरण में है।

मिर्ज़ापुर

परदे और घूंघट से बाहर निकल घर-घर पीने के पानी की जांच कर रही महिलाएं

बदलता हुआ उत्तर प्रदेश और बदलता हुआ देश या फिर कहा जाए कि 'नए भारत का नया उत्तर प्रदेश'। आज ऐसी ही तस्वीर उत्तर प्रदेश की है। यूपी में जो बदलाव की बयार है वो उत्तर प्रदेश के सुनहरे भविष्य की ओर इशारा कर रही है।

मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता संभालने के बाद हर घर जल अभियान की शुरुआत हुई। उनके इस अभियान ने हर वर्ग के जीवन में खुशियां भरने का काम किया। निचले पायदान पर रहने वालों तक इसका लाभ पहुंचाने का संकल्प सिद्धी की ओर बढ़ा। इस कदम को और मजबूती प्रदान करने के लिए सरकार ने घर-घर तक पहुंचने वाले पानी की गुणवत्ता की जांच का हिस्सा भी इसमें जोड़ा। सरकार ने पानी की जांच की जिम्मेदारी गांव-गांव में रहने वाली घरेलू महिलाओं को सौंपी।

घरों के अंदर सिमटी, परदे और घूंघट तक सीमित रहने वाली महिलाओं ने भविष्य सुधारने के लिए घरों से निकलना शुरु किया, महिलाओं को पानी जांच करने का प्रशिक्षण दिया गया और देखते ही देखते आज पीने के पानी की जांच का यह महाअभियान गांव-गांव में जन आंदोलन का रूप ले चुका है। प्रदेश सरकार की इस पहल से पानी की जांच करने वाली महिलाओं को सशक्त और स्वावलंबी बनने का मौका भी मिला। इस तरह के बदलाव ने इशारा कर दिया है कि नए भारत के एक नए उत्तर प्रदेश की नई कहानी शुरु हो चुकी है।

आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ते महिलाओं के कदम

देश में सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में गांव-गांव महिलाओं की एक बड़ी फौज तैयार की जा रही है जो पीने के पानी की जांच के साथ ही दूषित पानी पीने से होने वाली बीमारियों को जड़ से समाप्त करने के लिए मैदान में उतर चुकी हैं। नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से पीने के पानी की शुद्धता की जांच यूपी में बड़ा अभियान है। इस अभियान के तहत उत्तर प्रदेश में 4,81,205 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इन महिलाओं ने 31 लाख से अधिक जल नमूनों के परीक्षण किये हैं। प्रत्येक गांव में पांच महिलाओं को पानी जांच का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

बेहतर साफ सफाई से भारत के गांवों को आदर्श बनाया जा सकता है - महात्मा गांधी

महिलाओं को सशक्त बनाने का सबसे बड़ा अभियान

आम जन को अच्छी सेहत प्रदान करने और महिलाओं को स्वावलंबी व सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार का यह सबसे बड़ा कदम है। जल जीवन मिशन की इस योजना ने ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य देने के साथ गांव में रहने वाली महिलाओं के लिए रोजगार के द्वार खोले हैं। फील्ड टेस्ट किट के द्वारा पानी में मौजूद आर्सेनिक, हानिकारक बैक्टीरिया, रासायनिक अशुद्धियां, एलिमेंट एवं पार्टिकल्स आदि का पता लगाया जाता है। फील्ड टेस्ट किट से पानी की शुद्धता की जाचं आसानी से की जा सकती है। शाहजहांपुर, बिजनौर, फिरोजाबाद, पीलीभीत, बदायूं, बरेली, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अम्बेडकरनगर, संभल के राजस्व गांवों और बुंदेलखंड में सर्वाधिक महिलाओं का प्रशिक्षण पूरा कराया जा रहा है। प्रदेश के अन्य जिलों में भी महिलाओं को एफटीके का प्रशिक्षण देने का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है।

पहली बार 'जल दीदी' या 'जल योद्धा' नाम से पुकारी जा रही महिलाएं

यह पहली बार है जब पीने के पानी की क्वालिटी के सुधार के लिए इस तरह का अनुपम प्रयोग शुरु किया गया है। हर घर जल योजना के आने के बाद घर-घर नल से जल पहुंचाने के साथ पीने के पानी की जांच का गांव-गांव में शुरु हुआ महाअभियान 'जन जागरण' का रूप ले चुका है। दूषित पानी और उससे होने वाली बीमारियों का दंश झेल चुकी महिलाओं के सामने एक मौका सुधार लाने का आया है। ऐसे में गांव-गांव एक अलग सा माहौल है। महिलाओं में खुशी का अहसास है। अपने गांव को स्वस्थ बनाने की पहल में शामिल होने की उनमें होड़ लगी है। वो आज जागरूक बनकर घरों से बाहर निकल रही हैं, पानी की जांच करने का प्रशिक्षण ले रही हैं और लोगों को शुद्ध पीने के पानी की महत्ता बता रही हैं। गांव में इन महिलाओं को लोग **जल दीदी** या **जल योद्धा** नाम से भी पुकार रहे हैं। यह पहली बार है जब सरकार की पहल पर योजना ने जन जागरण का रूप लिया है।

गांव-गांव पानी की शुद्धता की 12 तरह की जांच कर रहीं महिलाएं

फील्ड जांच किट से पानी की गुणवत्ता की 12 तरह की जांच महिलाएं खुद कर सकती हैं। नल, कुँए, हैंडपम्प और ट्यूबवेल के पानी की गुणवत्ता परखी जा रही है। पीने के पानी में फ्लोराइड और आर्सेनिक जैसे घातक तत्वों की अधिकता पाए जाने पर जल निगम उस जल स्त्रोत को बंद करने या फिर समस्या के समाधान के प्रयास शुरु कर चुका है। महिलाएं पानी का नमूना एकत्र कर रही हैं और नमूनों को जांच के लिए जल निगम भेजा जा रहा है।

पहली बार बीमारियों से लड़ाई में महिलाओं की बड़ी सहभागिता

बढ़ते प्रदूषण में हम जो पानी पी रहे हैं उसके शुद्ध होने की पूरी गांरटी नहीं दी जा सकती है। यही वजह है कि हम शुद्ध पानी के लिए अपने घरों में वॉटर प्यूरीफायर एवं फिल्टर का इस्तेमाल करते हैं। मानव स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली चीजों में हवा के बाद पानी का ही स्थान है और यह भी सर्वविदित है कि पानी का सीधा असर हमारी सेहत पर पड़ता है। इसलिए हमें शुद्ध व स्वच्छ हवा की तरह ही शुद्ध एवं स्वच्छ पानी पीने की सलाह दी जाती है। बढ़ते प्रदूषण और दूषित पानी से होने वाली बीमारियां भी बड़ी समस्याओं में से एक है। डॉक्टरों की मानें तो पानी में फ्लोराइड की मात्रा अधिक पाए जाने से फ्लोरोसिस जैसी दांतों की बीमारी हो जाती है। आर्सेनिक की अधिकता से त्वचा पर दाग-धब्बे संबंधी बीमारी पनपती है। दूषित पानी से गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। जबकि शुद्ध पानी से दांतों की उम्र बढ़ती है एवं त्वचा रोगों से भी छुटकारा मिलता है।

सरकार की पहल से बदल रही भविष्य की तस्वीर

मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुसार देखते ही देखते गांव, किसान और महिलाओं की स्थितियां तेजी से बदल रही हैं। शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के साथ ही बेहतर स्वास्थ्य और रोजगार की दिशा में जो कार्य जल जीवन मिशन के तहत शुरु हुआ है इससे पहले की सरकारों में ऐसा काम कभी किया ही नहीं गया जिसने जन आंदोलन का रूप लिया हो। इस कार्य में जहां विभागीय अधिकारी और कर्मचारी अथक परिश्रम कर रहे हैं वहीं जनता का पूर्ण सहयोग भी उनको मिल रहा है। योजना के आगे बढ़ने के साथ ही सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। सरकार की इस पहल से भविष्य की तस्वीर और बेहतर होगी।

झांसी के विकासखंड बड़ागांव की दौन ग्राम पंचायत में रहने वाली ऊषा देवी कहती हैं कि जल जीवन मिशन की योजना से शुद्ध जल मिलने के साथ ही गांव की सेहत में सुधार आ रहा है। पानी की जांच बड़ी भूमिका अदा कर रही है। ग्राम पंचायत के लोगों के जीवन में बदलाव आने लगा है। शाहजहांपुर की सुज़ातापुर ग्राम पंचायत की ग्राम प्रधान मोहिनी शुक्ला कहती हैं कि पानी की जांच से बीमारियों से राहत मिल रही है।

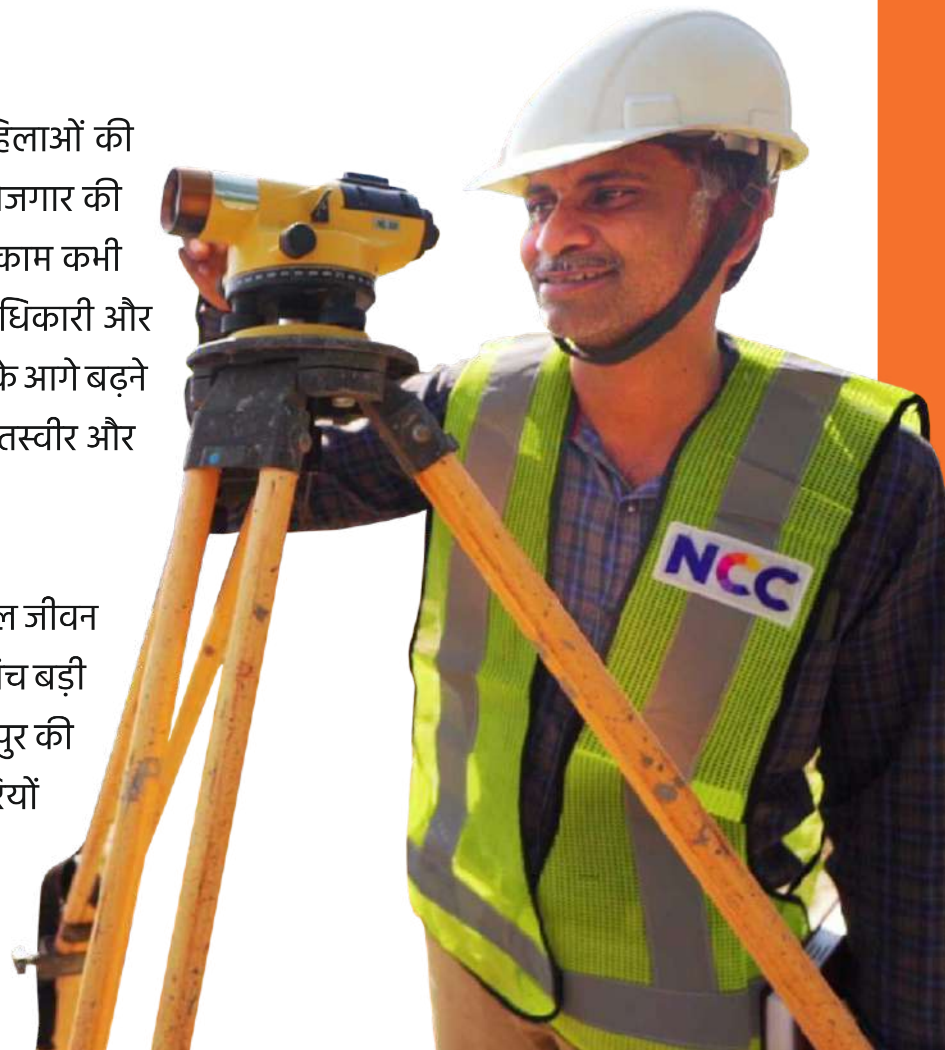

मैं एक समुदाय की प्रगति को महिलाओं द्वारा हासिल की गई प्रगति की डिग्री से मापता हूँ - डॉ. बी.आर. अम्बेडकर

जल जीवन मिशन
हर घर जल
हर घर नल
उ.प्र.

सुरक्षित होगा जीवन हर क्षण
16-22 जुलाई, 2022

हर घर जल दीपावली

भूजल सप्ताह
(16 जुलाई से 22 जुलाई)

जल दीपावली बुंदेलखंड एवं विन्ध्य समेत सभी 75 ज़िलों के 51 लाख ग्रामीण परिवारों ने 5 करोड़ से अधिक दीप प्रज्वलित कर जल दीपावली मनाई। दिवाली से 3 दिन पहले ग्रामवासियों ने दीपक जलाकर घर तक पानी सप्लाई शुरू होने का जश्न मनाया। वर्षों से साफ पानी का संकट झेल रहे बुंदेलखंड-विंध्य और पूर्वांचल में लाखों परिवारों के लिए स्वच्छ पेयजल का बड़ा तोहफा लेकर आई है प्रदेश सरकार।

गांधी जयंती

2 अक्टूबर, 2022 राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के सुअवसर पर 75 हज़ार ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन प्रदान कर जल जीवन मिशन ने नया कीर्तिमान स्थापित किया।

जल सेवा पखवाड़ा

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मादी जी को 72वें जन्मदिवस पर 'जल सेवा पखवाड़े' के रूप में दिया गया अनोखा तोहफा। इस दौरान लोगों को जल संरक्षण एवं जल संचयन के प्रति जागरूक किया गया एवं एक दिन में 1 लाख 21 हज़ार नल कनेक्शन देकर प्रदेश ने रचा इतिहास।

‘संकल्प अटल हर घर जल’

भारत रत्न स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी जी की 98वीं जयंती के अवसर पर ‘संकल्प अटल हर घर जल’ अभियान मनाया गया। ब्लॉक, गांवों, स्कूलों, आंगनबाड़ी और पंचायतों में सप्ताह भर जल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। 25 दिसंबर, 2022 को एक दिन में 98 हज़ार से अधिक नल कनेक्शन देने का कीर्तिमान स्थापित किया गया।

हर घर जल 75 लाख नल

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन
नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग उ० प्र०

यूपी ने 75 लाख से अधिक नल कनेक्शन देने वाले 4 राज्यों में स्थान बनाते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया। योगी सरकार की इस बड़ी उपलब्धि को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने "हर घर जल 75 लाख नल" समारोह के रूप में उत्साह के साथ मनाया। प्रदेश के मा. जलशक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह ने विभाग की समस्त टीम को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए 75 इंजीनियर्स, अधिकारियों और कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

सोशल मीडिया

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, उत्तर प्रदेश
@upswsm

नमामि गंगे परियोजना के तहत उत्तर प्रदेश में मां गंगा की अविरल और निर्मल धारा प्रवाहित हो रही है। प्रदेश में कुल 216 नाले गंगा जी में गिरते थे जिसमें 76 नालों को टैप किया जा चुका है। प्रयागराज में कुल 11 नालों को टैप किया जा चुका है।

#नमामि_गंगे
#हर_घर_जल
#जल_जीवन_मिशन

Translate Tweet

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, उत्तर प्रदेश @upswsm · Jan 26

74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, उत्तर प्रदेश द्वारा निकाली गई भव्य झांकी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

#गणतंत्र_दिवस
#हर_घर_जल
#जल_जीवन_मिशन
#आजादी_का_अमृत_महोत्सव

Tweet

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, उत्तर प्रदेश
@upswsm

#जल_जीवन_मिशन स्थापित कर रहा नित्य नए कीर्तिमान... विभाग द्वारा 74वें गणतंत्र दिवस पर निकाली गयी भव्य झांकी को महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया। मिशन के अधिशासी निदेशक श्री प्रिय रंजन कुमार जी व अधिकारियों ने इस सम्मान को प्राप्त किया।

Translate Tweet

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, उत्तर प्रदेश @upswsm · Jan 25

प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी के यशस्वी मार्गदर्शन में भारत तेजी से हर घर जल के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। जल जीवन मिशन के तहत 11 करोड़ ग्रामीण परिवारों को अब स्वच्छ और गुणवत्तायुक्त पेयजल उपलब्ध है।

#11CrHarGharJal
#JalJeevanMission

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, उत्तर प्रदेश @upswsm · Jan 31

मा. प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी के मार्गदर्शन और मा. मुख्यमंत्री श्री @myogiadityanath जी के नेतृत्व में आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में जल जीवन मिशन ने यूपी के 75 लाख ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन देने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।
#हर_घर_जल_75_लाख_नल

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन उत्तर प्रदेश
52m
#जल_जीवन_मिशन सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राओं के लिए वरदान बना है। बच्चों के सर्वांगीण विकास और उनके स्वास्थ्य सुधार के लिए ये मिशन सहायक साबित हुआ है। स्वच्छ पेयजल की सप्लाई से बच्चों को स्वस्थ और योग्य बनाने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है।
#स्वस्थ_बच्चे_बेहतर_कल
#हर_घर_जल
Ministry of Jal Shakti, Department of Water Resources, RD & GR
हर घर जल
पीएम मोदी की परिकल्पना यूपी में हो रही साकार
स्कूली बच्चों को मिल रहा स्वच्छ जल का वरदान
जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से यूपी के 1 लाख 11 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में शुद्ध जल की सप्लाई हुई शुरु
प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों को हर घर जल योजना से जोड़ा जा रहा है

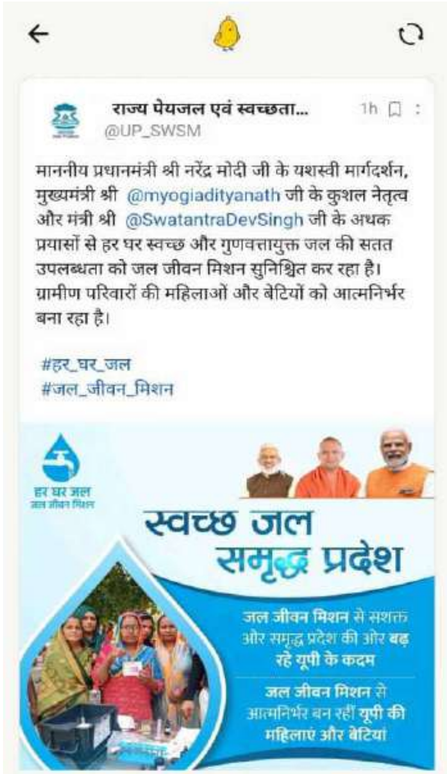
राज्य पेयजल एवं स्वच्छता...
@UP_SWSM
1h
माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के यशस्वी मार्गदर्शन, मुख्यमंत्री श्री @myogiadityanath जी के कुशल नेतृत्व और मंत्री श्री @SwatantraDevSingh जी के अथक प्रयासों से हर घर स्वच्छ और गुणवत्तायुक्त जल की सतत उपलब्धता को जल जीवन मिशन सुनिश्चित कर रहा है। ग्रामीण परिवारों की महिलाओं और बेटियों को आत्मनिर्भर बना रहा है।
#हर_घर_जल
#जल_जीवन_मिशन
हर घर जल
स्वच्छ जल
समृद्ध प्रदेश
जल जीवन मिशन से सशक्त और समृद्ध प्रदेश की ओर बढ़ रहे यूपी के कदम
जल जीवन मिशन से आत्मनिर्भर बन रहीं यूपी की महिलाएं और बेटियां

upswsm
हर घर जल
जल जीवन मिशन
अब महिलाएं
बनी जल परीक्षक
घर-घर हो रही आसानी से पानी की जांच
अब तक 4,81,274 महिलाओं को पानी जांच की ट्रेनिंग दी जा चुकी है
शुद्ध जल मुहैया कराने के अभियान के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचल की महिलाओं ने दिसम्बर 2022 के अंतिम सप्ताह तक पानी के 30,39,687 से अधिक नमूनों का परीक्षण पूरा कर लिया है।

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन उत्तर प्रदेश
25 Jan
जल जीवन मिशन से जल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ ही होनहार और जरूरतमंद लोगों को अपने ही गांव में प्रशिक्षण देकर रोज़गार की मुख्यधारा से जोड़ा ... See more
हर घर जल
जल जीवन मिशन
से प्रशस्त हुआ
रोज़गार का मार्ग
स्वच्छ पेयजल के साथ ही जरूरतमंद लोगों को मिल रहा रोजगार
जल जीवन मिशन के तहत 76,490 से अधिक पंप ऑपरेटर को दिया जा चुका तकनीकी प्रशिक्षण

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन उत्तर प्रदेश
21 Jan
जल जीवन मिशन ने युवाओं के चेहरों पर बिखेरी मुस्कान...
'हर घर जल योजना' प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में ... See more
हर घर जल, हर हाथ हुनर
जल जीवन मिशन से स्वच्छ पेयजल के साथ ही जरूरतमंद लोगों को मिल रहा रोजगार
जल जीवन मिशन के तहत 78,169 प्लम्बरों को दिया जा चुका तकनीकी प्रशिक्षण

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन उत्तर प्रदेश
19 Jan
जल जीवन मिशन से न सिर्फ ग्रामीण परिवारों को नल से जल की सौगात मिली है बल्कि इस मिशन से महिलाएं और बेटियां आत्मनिर्भरता की एक नयी कहानी लिख रहीं ... See more
हर घर जल
जल जीवन मिशन बना जन आंदोलन
जल जीवन मिशन से यूपी की बेटियां बन रहीं सक्षम और सशक्त

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन उत्तर प्रदेश
17 Jan
जल संचयन से होगा कल सुरक्षित...
प्रदेश सरकार वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दे रही है। यूपी के 30 हजार शासकीय व अशासकीय भवनों में र... See more
हर घर जल
वर्षा जल संरक्षित होगा
तो हमारा कल
सुरक्षित होगा
प्रदेश के 30 हजार शासकीय व अशासकीय भवनों में रूफ टॉप रेन हार्वेस्टिंग की हो रही स्थापना
आसमान से बरसी सौगात की हर बूंद सहेजने का मिशन

प्रिंट मीडिया

हिन्दुस्तान

यूपी के पांच जिलों को पीने के लिए गंगाजल मिलेगा

■ राजकुमार शर्मा

लखनऊ। प्रदेश के पांच जिलों के लोग आने वाले दिनों में गंगाजल पीएंगे। जल शक्ति मिशन के चौथे चरण में इन जिलों में गंगाजल पहुंचाने की कार्ययोजना को मंजूरी दी गई है। इनमें आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, उन्नाव और बलिया जिले शामिल हैं। हालांकि आगरा शहर में पहले से गंगाजल की सप्लाई शुरू हो चुकी है मगर अब पूरे जिले के लिए दूसरी परियोजना स्वीकृत की गई है। यह पानी केवल पीने के लिए ही प्रयोग होगा।

केंद्र सरकार के जलशक्ति मिशन के तहत हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने का काम चल रहा है। प्रदेश में पहले चरण में बुंदेलखंड क्षेत्र में काम शुरू हुआ था, जो अब पूरा होने की ओर है। दूसरे और तीसरे चरण की योजनाओं पर भी काम चल रहा है। अब चौथे चरण की परियोजनाओं को भी मंजूरी मिल गई है। इसके तहत पांच जिलों के लोगों को पीने के लिए गंगाजल नसीब होगा। विभागीय सूत्रों की मानें तो जल्द गंगाजल के लिए पाइप लाइन बिछाए जाने सहित अन्य कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

निर्बाध आपूर्ति के लिए दोहरी व्यवस्थाः पांच जिलों में से तीन जनपदों आगरा, मथुरा और फिरोजाबाद में निर्बाध पेयजल आपूर्ति के लिए दोहरी व्यवस्था की जा रही है। इन जिलों में अपर और लोअर गंगा कैनाल से गंगाजल की सप्लाई की जाएगी। जबकि उन्नाव और बलिया के गंगा किनारे बसे होने के कारण यहां इनटेक वैल बनाकर सीधे गंगाजल आपूर्ति की व्यवस्था रहेगी।

04
चरणों में यूपी में जल जीवन मिशन चल रहा

1.21 लाख को एक दिन में कनेक्शन

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर 17 सितंबर को प्रदेश सरकार ने उन्हें गरीबों को सुविधाओं से जोड़ने का बड़ा तोहफा दिया। हर घर नल जल योजना के तहत इस दिन एक लाख 20 हजार 821 ग्रामीण घरों को नल कनेक्शन दिया गया। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने एक दिन में सर्वाधिक नल कनेक्शन देने के इस कीर्तिमान को पीएम को समर्पित किया है।

17 सितंबर शनिवार को पूरे देश में जल जीवन मिशन के तहत लगभग 2.59 लाख नल कनेक्शन दिए गए। इसमें से 40 फीसदी से अधिक कनेक्शन यूपी से ही थे। जल जीवन मिशन के पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों के मुताबिक शनिवार को आंध्र प्रदेश में 30643, कर्नाटक में 25377, तमिलनाडु में 18671, महाराष्ट्र में 17649, मध्य प्रदेश में 16609 कनेक्शन दिए गए थे।

छोटे शहर आगे: एक दिन में 4212 परिवारों को नल कनेक्शन देकर देवरिया शीर्ष पर रहा। गोरखपुर में 4038 कनेक्शन देकर दूसरे तथा महोबा 3651 नल कनेक्शन देकर तीसरे स्थान पर रहा।

inext

'हर घर नल' में यूपी अव्वल

LUCKNOW (31 Jan): ग्रामीण इलाकों में 75 लाख से अधिक नल कनेक्शन देकर उत्तर प्रदेश ने सर्वश्रेष्ठ चार राज्यों में स्थान बना लिया है. योगी सरकार की इस उपलब्धि को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने मंगलवार को 'हर घर जल 75 लाख नल' समारोह के रूप में मनाया. जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने अच्छा काम करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया.

75 इंजीनियर, अधिकारी और कर्मचारियो को स्मृति चिह्न देकर किया गया सम्मानित

पानी पहुंचाना पुण्य का काम

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि एक समय ऐसा लग रहा था की हम लक्ष्य को कैसे प्राप्त करेंगे लेकिन बहुत कम समय में विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने 75 लाख ग्रामीण परिवारों तक शुद्ध पानी पहुंचा दिया. अधिकारी वर्ष 2047 में पानी की स्थिति और चुनौतियों को देखते हुए भविष्य के लिए व्यवस्था कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है. गरीब तक पानी पहुंचाने का काम पुण्य पहुंचाने के समान है. मंत्री ने टीम को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए 75 इंजीनियर, अधिकारी और कर्मचारियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया. साथ ही जल जीवन मिशन की दो साल की सफलतापूर्वक यात्रा पर आधारित फिल्म 'हर घर पानी खुद निगरानी' का अनावरण किया गया. विभाग की उपलब्धियों पर आधारित ई बुकलेट का विमोचन किया.

बिहार, महाराष्ट्र और गुजरात के बाद है यूपी नंबर

हर घर जल योजना में अब तक दो करोड़ 62 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन दिया गया है. इनमें से यूपी ने 75.26 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन देकर चौथा स्थान हासिल किया है. बिहार सर्वाधिक 1.58 करोड़ कनेक्शन देने वाला राज्य है. महाराष्ट्र ने 1.06 करोड़ व गुजरात 91 लाख से अधिक नल कनेक्शन दिया है.

75
लाख से अधिक नल कनेक्शन दिए गए अब तक ग्रामीण इलाकों में

2.63
करोड़ घरों में 2024 तक नल कनेक्शन का लक्ष्य

- नल कनेक्शन देने में सर्वश्रेष्ठ-चार राज्यों में शामिल हुआ यूपी
- फिल्म 'हर घर पानी खुद निगरानी' का कार्यक्रम के दौरान किया गया अनावरण
- जलशक्ति मंत्री ने किया अच्छा काम करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों का सम्मान
- 2024 तक 2.63 करोड़ घरों तक नल कनेक्शन का लक्ष्य है. इसके लिए और तेज गति से काम करना होगा.

पानी की गुणवत्ता का भी पूरा ध्यान

राज्य मंत्री रामकेश निषाद ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कि महत्वाकांक्षी योजना को प्रदेश कि योगी सरकार ने धरातल पर उतारा है. पूर्व की सरकारों ने कभी गरीब तक कैसे पानी पहुंचेगा इसकी चिंता नहीं की थी. योगी सरकार प्रत्येक ग्रामीण तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने का बड़ा कार्य कर रही है. नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि वर्ष 2024 तक सभी गांव के लोगों तक नल से जल पहुंच जाएगा. उन्होंने कहा कि केवल पानी पहुंचाना ही नहीं, संसाधन बनाने के साथ उसको बरकरार रखना भी जरूरी है. जन जन कि सहभागिता और पानी कि गुणवत्ता का भी पूरा ध्यान रखना है. कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह ने कहा कि हर घर जल देने की योजना आने के बाद जिस तेजी से काम हुआ है उसकी प्रशंसा की जानी चाहिए.

Har Ghar Jal plan on Atal birth anniv

Times News Network

Lucknow: To mark the 98th birth anniversary of former prime minister Atal Bihari Vajpayee on Sunday, UP Government will be launching a 'Sankalp Atal Har Ghar Jal' scheme on December 24.

Under the scheme, the government will provide drinking water connections in villages across the state.

HT

UP joins elite club of 75L tap water connections

LUCKNOW: Uttar Pradesh has become the fourth state in the country to achieve the milestone of 75 lakh tap water connections.

The Yogi Adityanath government on Tuesday celebrated this achievement. Namami Gange and Rural Water Supply department celebrated the achievement of the Yogi government. The government had launched the campaign under the slogan 'Har Ghar Jal 75 Lakh Nal'.

the pioneer

LUCKNOW I MONDAY I JULY 18, 2022

CM stresses on water conservation, seeks cooperation of people

PNS ■ LUCKNOW

Chief Minister Yogi Adityanath stressed on conservation of water, maintenance of its quality and better usage, saying that it was essential for survival as well as progress of the state.

Yogi Adityanath said that preserving water was the most focused area of his government. He said that in its effort to realise this objective, the government not only ensured the completion and operation of several projects pending for decades but also worked towards saving every drop of water through construction of farm ponds, multi-purpose ponds on the banks of rivers.

...reviews preps for 'Har Ghar Tiranga'

Lucknow(PNS): Chief Minister Yogi Adityanath, on Sunday, reviewed the preparation for 'Har Ghar Tiranga' programme through video conferencing with Union Home and Cooperation Minister Amit Shah and Union Culture Minister G Kishan Reddy.

The chief minister said that Prime Minister Narendra Modi's vision of Amrit Mahotsav of Azadi was being carried forward with enthusiasm and zeal in the country.

Chief Minister Yogi Adityanath flagging off the 'Digital Groundwater Rath' in Lucknow on Sunday — Pioneer

हिन्दुस्तान

गांधी जयंती पर दिए एक लाख नल कनेक्शन

रिकॉर्ड

लखनऊ विशेष संवाददाता। गांधी जयंती व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जन्मदिन पर योगी सरकार ने एक लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से स्वच्छ पेयजल का कनेक्शन दिया। अकेले यूपी ने इस दिन 107774 गरीब परिवारों तक नल कनेक्शन देकर रिकार्ड बनाया। 20 दिन में दूसरा मौका है, जब यूपी ने देश में सर्वाधिक नल कनेक्शन दिए।

आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, राजस्थान जैसे कई राज्य दो अक्टूबर को 10 हजार का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए जबकि इस दिन देश में कुल 134968 नल कनेक्शन किए गए। उत्तर प्रदेश को नंबर एक बनाने में बुलंदशहर, शाहजहांपुर, मिर्जापुर, वाराणसी, गोरखपुर जैसे जिलों ने सर्वाधिक घरों तक नल कनेक्शन पहुंचा कर बड़ा योगदान दिया है। इससे पहले 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर भी यूपी में 1 लाख 20 हजार 821 कनेक्शन देने का रिकार्ड बना था।

स्वतंत्रदेव सिंह, जल शक्ति मंत्री

यूपी में बुलंदशहर शीर्ष परः प्रदेश को 20 दिन में दूसरी बार नंबर एक बनाने वाले जिलों में सबसे ऊपर बुलंदशहर रहा। यहां गांधी जयंती पर 7506 ग्रामीण परिवारों को नल से जल की सुविधा दी गई। शाहजहांपुर में 6418, मिर्जापुर में 6054, वाराणसी 5047, गोरखपुर में 4012 कनेक्शन दिए गए। इसके बाद बरेली 3681, सीतापुर में 2857, देवरिया 2516, मेरठ 2356, हरदोई में 2158, गोंडा में 2488, श्रावस्ती ने 2023 नल कनेक्शन देकर यूपी को देश भर में दूसरी बार एक लाख से अधिक नल कनेक्शन देने में नंबर एक पर पहुंचाया। प्रदेश में अभी तक ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से 48 लाख घरों तक नल कनेक्शन पहुंचाया जा चुका है।

- 20 दिन में दूसरी बार यूपी ने देश में सर्वाधिक नल कनेक्शन दिए
- यूपी में अब तक 48 लाख घरों तक नल से जल पहुंचाया जा चुका

हिन्दुस्तान

एक लाख सरकारी स्कूलों में पहुंचा नल से पेयजल

लखनऊ, विशेष संवाददाता। जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से यूपी के 1 लाख से अधिक सरकारी विद्यालयों में नल से जल पहुंचाने का काम पूरा कर लिया गया है। योजना के तहत सरकारी विद्यालयों में बच्चों को पीने के लिए अब शुद्ध पानी मिलने का दावा गुरुवार को विभाग द्वारा किया जा रहा है।

बच्चों को स्कूल परिसर में लगी टोंटियों से शुद्ध पीने का पानी विद्यालयों में ही मिल रहा है। परिसर में ही पानी की बचत के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए गये हैं। पानी के फिर से उपयोग का प्रबंध भी किया गया है। सरकार की योजना यूपी के समस्त सरकारी विद्यालयों को हर घर नल योजना से जोड़ने की है। प्रदेश में सरकारी स्कूलों में हर घर जल योजना से पानी के कनेक्शन किए जा रहे हैं।

"योगी सरकार स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को स्वच्छ पेयजल की सप्लाई करके उनको स्वस्थ और योग्य बनाने का काम कर रही है।"

–स्वतंत्र देव सिंह, जल शक्ति मंत्री

राष्ट्रीय सहारा

जल जीवन मिशन में कीर्तिमान स्थापित कर रहा यूपी : मिश्र

■ लखनऊ (एसएनबी)।

■ मुख्य सचिव ने की जल जीवन मिशन व नमामि गंगे योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की जल जीवन मिशन व नमामि गंगे योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि खुशी की बात है कि जल जीवन मिशन योजना में उत्तर प्रदेश तेजी से आगे बढ़ते हुये नवीन कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। केन्द्र सरकार के जल जीवन सर्वेक्षण जनवरी -2023 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जनपदों की तीन स्टार श्रेणी में हापुड़ व सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाले जनपदों की तीन स्टार श्रेणी में महोबा व मिर्जापुर शामिल हुये हैं। इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जनपदों की दो स्टार श्रेणी में शाहजहांपुर व पीलीभीत तथा सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाले जनपदों की दो स्टार श्रेणी में झांसी, चित्रकूट व जालौन शामिल हुये हैं। यही नहीं, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की वन स्टार श्रेणी में कासगंज, श्रावस्ती, लखनऊ तथा सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाले जनपदों की वन स्टार श्रेणी में श्रावस्ती, अमरोहा सम्मिलित हुये हैं।

मुख्य सचिव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

लखनऊ (एसएनबी)। गणतंत्र दिवस पर मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने अपने शासकीय आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। मुख्य सचिव ने उपस्थित सभी लोगों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रमुख स्टाफ अधिकारी मुख्य सचिव अमृत सोनी, स्टाफ ऑफिसर डा. अनिल कुमार, राजेश कुमार, कृष्णा गोपाल सहित मुख्य सचिव कार्यालय व आवास का स्टाफ, स्काउट गाइड व एनसीसी के कैडेट्स व सामान्य नागरिक उपस्थित थे।

मिश्र ने कहा कि अधिकारियों को इसी तरह का प्रदर्शन आगे भी जारी रखना है। अन्य जनपदों के समक्ष यह उदाहरण है कि वह भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर जल जीवन सर्वेक्षण में स्थान प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि जिन जनपदों में परियोजना की प्रगति धीमी है, वह नियमित समीक्षा कर परियोजना के कार्यों में तेजी लायें। परियोजना के लिए अवशेष डीपीआर तथा भूमि की उपलब्धता का कार्य जनपदों से समन्वय कर शीघ्र से शीघ्र पूरा कराया जाये। जल की गुणवत्ता सुनिश्चित कराने के लिये समय-समय पर जल की सैम्पलिंग करायी जाये।

बैठक में जानकारी दी गयी कि 25 जनवरी तक 50 प्रतिशत हाउस होल्ड्स टैप वाटर कनेक्शन में उत्तर प्रदेश 197.762 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर है। जल जीवन मिशन के तहत 97,568 ग्रामों में से 80,000 में कार्य प्रगति पर है या पूर्ण हो चुका है। 9000 की डीपीआर तैयार हो चुकी है। नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत 52 परियोजनाओं में से 28 का कार्य पूर्ण हो चुका है। 17 में कार्य चल रहा है और 7 की निविदा प्रक्रिया गतिमान है। बैठक में प्रमुख सचिव नमामि गंगे अनुराग श्रीवास्तव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी आदि उपस्थित थे।

अब जिले को देश में अव्वल लाने की तैयारी

जल जीवन सर्वेक्षण

जासं, गाजियाबाद : जल जीवन सर्वेक्षण ग्रामीण में गाजियाबाद देश के तीन सितारा श्रेणी वाले जिलों में शामिल हो गया है। जिला प्रशासन द्वारा इस योजना में लगातार की जा रही मानिटरिंग के कारण जिले को यह मुकाम हासिल हुआ है। जिले में 50-75 प्रतिशत के बीच घरों में नल से जल उपलब्ध कराया जा रहा है। अब जिले को चार सितारा श्रेणी वाले जिलों में शामिल करने की तैयारी है।

मुख्य विकास अधिकारी विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि जल जीवन सर्वेक्षण में बेहतर परफार्मेंस के लिए सभी बीडीओ को कार्य करने के निर्देश दिए गए। सर्वे के दौरान सभी पानी टंकियों, पेयजल लाइन को चेक किया गया, जो खामियां थीं उनको दुरुस्त कराया गया है। इसके साथ ही डीपीआर भी तैयार की गई, जिसे जिला स्तर पर गठित समिति के साथ ही शासन से स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा जो प्रोजेक्ट चालू थे, उनको पूरा करने पर जोर दिया गया। पूरा प्रयास किया जा रहा है कि प्रत्येक घर में नल से जल की व्यवस्था हो, किसी भी परिवार को पेयजल किल्लत का सामना न करना पड़े।

50 से 75 प्रतिशत घरों में जल उपलब्ध कराने वाली श्रेणी में शीर्ष तीन में शहर

अक्टूबर से अब तक ये डीपीआर हुई स्वीकृत

गांव	लागत	गांव	लागत
		[illegible]	2.72
[illegible]	2.33	[illegible]	2.89
[illegible]	2.40	[illegible]	2.19
[illegible]	2.73	[illegible]	2.01
[illegible]	2.01	[illegible]	2.19
[illegible]	2.42	[illegible]	4.89
[illegible]	3.26	[illegible]	2.33
[illegible]	3.00	[illegible]	2.86
[illegible]	2.35	[illegible]	4.57
[illegible]	2.67	[illegible]	2.00
[illegible]	2.76	[illegible]	1.36

नोट - लागत करोड़ रुपये में।

"जल जीवन सर्वेक्षण की एक माह पहले जारी रैंकिंग में गाजियाबाद कुल घरों के सापेक्ष 25-50 प्रतिशत घरों में पेयजल उपलब्ध कराने में देश में पहले स्थान पर था, अब 50-75 प्रतिशत घरों में पेयजल उपलब्ध कराने वाले जिलों की श्रेणी में जिला देश में तीसरे नंबर पर है। एक माह में जिले ने एक श्रेणी ऊपर छलांग लगाई है, इसके साथ ही देश के शीर्ष तीन शहरों में शामिल हुआ है। अगली श्रेणी 75-100 प्रतिशत वाली है, जिसमें शामिल होकर देश का नंबर एक शहर बनने के लिए हम प्रयासरत और प्रतिबद्ध हैं।"

-विक्रमादित्य सिंह मलिक, सीडीओ

Another 1.07 lakh families get acess to tap water

PNS ■ LUCKNOW

Setting another milestone on the occasion of the birth anniversaries of Mahatma Gandhi and former Prime Minister Lal Bahadur Shastri on October 2, the Yogi Adityanath-led government in Uttar Pradesh provided as many as 1.07 lakh tap water connections in the rural parts of the state in a single day.

While Uttar Pradesh has set two records in the last 20 days in terms of providing tap water connections in rural areas, many states, including Rajasthan, West Bengal, Andhra Pradesh, Chhattisgarh, and Maharashtra, have failed to even reach the 10,000 mark.

Earlier, the Yogi government had set a record on September 17 by providing about 1.21 lakh tap water connections in rural households in the state which coincided with Prime Minister Narendra Modi's 72nd birthday.

It may be noted that on Gandhi Jayanti, as many as 1.34 lakh tap connections were provided nationwide. The districts of Bulandshahr, Shahjahanpur, Mirzapur, Varanasi, and Gorakhpur made the biggest contributions to connecting most of these households to tap water, helping the state rank first in the nation.

Of the 1,34,968 tap water connections provided in the country, UP alone accounted for over 1,07,774 connections.

As per data, other states that provided tap water connections on October 2 were Tamil Nadu (10,064), Andhra Pradesh (3,121), Maharashtra (2,954), West Bengal (2,159), Rajasthan (2,027), Chhattisgarh (1,517), Odisha (1,439), Karnataka (1,422), Madhya Pradesh (696), Jharkhand (627), Uttarakhand (514) whereas in Himachal Pradesh, Bihar, Gujarat, Punjab, Arunachal Pradesh, Manipur, Sikkim, not even a single tap water connection was provided on the day.

The Yogi government 2.0 has set a target of ensuring 100 per cent saturation in drinking water in water starved areas of Bundelkhand and Vindhya regions of the state by 2024. Among the districts, Bulandshahr topped by giving 7,506 tap water connections, followed by 6,418 in Shahjahanpur, 6,054 in Mirzapur, 5,047 in Varanasi, and 4,012 in Gorakhpur. Besides, 3,681 tap water connections were installed in Bareilly, 2,857 in Sitapur, 2,516 in Deoria, 2,356 in Meerut, 2,158 in Hardoi, 2,488 in Gonda, and 2,023 in Shravasti.

So far, under the Har Ghar Jal Scheme, pure drinking water is being supplied to as many as 48,43,733 houses through tap connections in Uttar Pradesh. Pure drinking water is being supplied from tap to 46,51,759 households in Odisha, 30,57,249 in Kerala , 29,28,134 in Rajasthan, 25,00,622 in Assam, 1,53,009 in Arunachal Pradesh, 14,39,077 in Jharkhand, 9,92,206 in Uttarakhand, 4,02,413 in Tripura, 3,34,864 in Manipur, and 2,57,794 in Meghalaya.

30L water sample tests in 9 months

Times News Network

Lucknow: Under a scheme to ensure clean drinking water in rural areas and, simultaneously empowering women, teams of rural women tested over 30,39,687 samples of water over nine months, till the last week of December 2022.

Under the Jal Jivan Mission, women were provided with field test kits in their villages to carry out water sampling and ensure clean potable water in households.

JAL JIVAN MISSION

Over a period of nine months, they carried out regular checking of their water supply.

Of the over 30.30 lakh samples tested, 4.22 lakh were found contaminated and Jal Nigam (rural) has reportedly taken remedial action in 46,000 cases.

हर घर जल
जल जीवन मिशन

जल जीवन मिशन

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन
नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग
उत्तर प्रदेश

@SWSMUP1 @upswsm @UP_SWSM @up_swsm

UNOPS द्वारा प्रकाशित